MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI: Now that the hon.Member has mentioned it, I will take it up and send them a reminder.

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, I congratulate the hon. Minister for taking keen interest in road formation and national highways. As you are aware, Sir, these are the two important roads. But, unfortunately, nothing has so far been done. When the Minister says that the Government is keen...

MR. CHAIRMAN: What is your supplementary? Please straightaway put your supplementary.

SHRI JANARDHANA POOJARY: The Karnataka Government has taken steps to expedite this proposal. But, unfortunately, we have been given information that your Department is not taking any interest. Can you assure the House that you would personally take interest in this and look into the matter?

MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI : We are very much taking interest. As I said in the beginning, the whole thing started with linking the existing National Highway Nos. 4 and 7. We wanted to take it over, maintain it and improve it. And the estimated cost is approximately Rs. 400 crores. So, it is not correct to say that we are not taking any interest. On the other hand, the Karnataka Government Bangalore Development authority does not was to hand over this road. I do not know why it is so.

PPDCs in North Bengal

*490. SHRI SHANKAR ROY CHOWDHURY: Will the Minister of SMALL SCALE INDUSTRIES be pleased to state:

(a) the locations proposed to establish new Process-cum-Product Development Centres (PPDCs);

(b) the process technology that would be designed to support such centres;

(c) whether any new PPDCs are proposed to be established in the Northern part of West Bengal;

(d) the funds allotted for this purpose; and

(e) the present position and progress in establishing new PPDCs?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF AGRO AND RURAL INDUSTRIES (SHRI SANGH PRIYA GAUTAM): (a) There is no proposal to establish new Process-cum-Product Development Centres (PPDCs).

(b) to (e) Do not arise.

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति जी, वैसे यह सवाल माननीय डॉ. सी.पी. ठाकुर के लिए था लेकिन उनकी तरफ से मैं जवाब दे रहा हूं यह जवाब सभापटल पर दिया गया है।

श्री शंकर राय चौधरी: मान्यवर, यह बहुत हैरानी की बात है कि सरकार जहां कहती है कि वह सालाना एक करोड़ नौकरियां बनाएगी, ये रूरल एरियाज़ में होंगी, ये स्माल स्केल इंडस्ट्रीज में होंगी, वहां सरकार का यह साफ-सुथरा जवाब है कि रूरल एरियाज़ में प्रोसेस-कम-प्रोडक्ट डेवलपमेंट सेंटर नहीं होंगे। मेरा प्रश्न वैसे नॉर्थ बंगाल के संदर्भ में था और उनका जवाब है कि नहीं होंगे, तो मेरा प्रश्न भी बहुत साफ है कि क्यों नहीं होंगे?

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति जी, प्रश्नकर्ता का कहना सही नहीं है। लगातार पिछले नौ-दस वर्षों से स्माल स्केल इंडस्ट्री सेक्टर में यूनिट्स भी बढ़ रहे हैं? मेरे पास चार्ट है। यूनिट्स भी बढ़ रहे हैं, प्रोडक्ट भी बढ़ रहा है, employment भी बढ़ रहा है और एक्सपोर्ट भी बढ़ रहा है। पिछले दस साल का रिकार्ड मेरे पास है। जहां तक ...(व्यवधान)...

कुमारी मैबल रिबैलो: एक्सपोर्ट कहां बढ़ रहा है? महोदय, हम समझ नहीं पा रहे हैं यह चीज़ कि एक्सपोर्ट बढ़ रहा है। एक्सपोर्ट कभी बढ़ता है क्या? यह भाषा हम समझ नहीं पा रहे हैं।

श्री सभापति: इस हाउस में बैठकर सब प्रकार की भाषाएं समझने की तैयारी रखिए।

कुमारी मैबल रिबैलो: एक्सपोर्ट बढ़ रहा है-यह कोई नहीं समझ पाएगा।

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति जी, जहां तक नए प्रोसेस-कम-प्रोडक्ट डेवलपमेंट सेंटर्स लगाने का सवाल है, यह सही है कि एस.पी. गुप्ता कमेटी का एक प्रपोज़ल था कि दसवीं पंचवर्षीय योजना में ये लगाए जाएंगे लेकिन दसवीं पंचवर्षीय योजना का जब एजेंडा तैयार हुआ, उसमें इस बात की स्पेसिफाई न करके वर्तमान में उनके जितने सेंटर्स हैं, उनको modernise कर दिया जाए, ऐसा डिसीज़न हुआ। ये सब modernise कर दिए गए हैं और उनके माध्यम से रोज़गार भी बढ़ रहा है, efficiency भी बढ़ रही है, काम भी बढ़ रहा है।